टेक्नोलॉजी

आईआईटी इंदौर द्वारा हो रही आईईईई की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में टेक्नोलॉजी के एक्सपर्ट हुए शामिल

2020 तक 5जी इंटरनेट स्पीड होगी आपके मोबाइल में

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

दुनिया को गति देने के लिए जिस टेक्नोलॉजी पर सालों से रिसर्च चल रही है उसका पहला फेज 2020 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद इंटरनेट पर डाटा ट्रांसफर की स्पीड कई गुना बढ़ जाएगी। इस टेक्नोलॉजी का नाम है 5जी। इसके पहले फेज की सभी टेस्टिंग हो चुकी है। यह कहना है वायरलेस और मोबाइल कम्युनिकेशन के रिसर्चर डॉ. नवीन कुमार का। उन्होंने बताया शुरुआत में एक जीबी की स्पीड मिलेगी। इसके बाद के फेज में अनलिमिटेड इंटरनेट स्पीड का उपयोग किया जा सकेगा। आईआईटी इंदौर द्वारा इंस्टीटयूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) की इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय टेक्निकल सेशन में सोमवार को एक्सपर्ट ने नेटवर्किंग, सिक्युरिटी, कम्युनिकेशन पर हो रही रिसर्च के बारे में बात की।

5जी से स्मार्ट सिटी का सपना होगा पूरा

कांफ्रेंस में यूसीएस ग्रुप के वैदीराजा भट्ट ने टेक्नोलॉजी को स्मार्ट सिटी से जोड़कर बताया। उनका कहना है कि देश में बन रही स्मार्ट सिटी में ट्रैफिक, पानी की निकासी, कचरा प्रबंधन और जगह-जगह फैले बिजली के तार बड़ी समस्या है। आने वाली 5जी तकनीकी से स्मार्ट सिटी के सपने को साकार करना आसान होगा। इससे डाटा फास्ट होने से गवर्नमेंट रियल टाइम डाटा ले सकेगी। यूजर भी तकनीक का उपयोग करके ट्रैफिक और अन्य तरह की समस्या से निजात पा सकेंगे।

एडवांस टेक्नोलॉजी से सीधे गवर्नमेंट से जुड़ जाएगा हर व्यक्ति

बेसिक इंटरनेट फाउंडेशन के सुधीर दीक्षित का कहना है कि इंटरनेट कनेक्टिविटी से हर व्यक्ति जुड़ने के बाद गवर्नमेंट की सभी स्कीम सीधे व्यक्तियों के एक्सेस में रहेगी। अभी तक कई तरह की स्कीम में मिडिएटर होते हैं। कई तरह के अधिकारी डाटा को क्रॉस चेक करते हैं और आवेदन अप्रूव होने के लिए अपने सीनियर को भेजते हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी का एडवांस मॉडल आने के बाद आधार नंबर के द्वारा व्यक्ति सीधे गवर्नमेंट विभागों के संपर्क में आ जाएगा। पानी, ड्रेनेज, सफाई, लोन और कई तरह के कामों में भी इंटरनेट यूजर सीधे उच्च स्तर पर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। सिसको आरएंडडी सेंटर के सुबोध गजारे का कहना है कि हमें एग्रीकल्चर को आगे बढ़ाने पर जोर देना होगा। प्रकृति ने कई तरह के सोर्स दिए हैं। जैसे सोलर एनर्जी। इस क्षेत्र में युवाओं को काम करने की जरूरत है। रियल आइडिया इसी तरह के हो सकते हैं जिसमें हम हमारी ही एनर्जी को बढ़ाने का काम कर सके। उदाहरण के तौर पर एक सप्ताह की सूर्य की एनर्जी का उपयोग हम डेढ़ साल तक कर सकते हैं। रूरल में जाकर बिजनेस आइडिया तलाशने की जरूरत है।

अब मशीन टू मशीन कम्यूनिकेशन का दौर है

एसजीएसआईटीएस के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. प्रकाश व्यवहारे ने बताया कि पहले मैन टू मैन कम्युनिकेशन का था। फिर मैन टू मशीन का दौर आया और अब मशीन टू मशीन का जमाना है। यानी अब सभी क्षेत्रों में इस तरह का ऑटोमेशन हो गया है कि मशीन को एक बार कमांड देने के बाद व्यक्ति भले उस काम को भूल जाए, लेकिन मशीनें आपस में कम्युनिकेशन करके सालों तक काम को अंजाम देती रहेगी। उदाहरण के लिए ड्राइवरलेस व्हीकल आने वाले हैं।

Naidunia (Indore), (Naidunia live), 18th December 2018, Page No. 15